जिला जीन्द

जिला जीन्द

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

2013-2014

जिला सांख्यिकीय अधिकारी, जीन्द

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग

हरियाणा द्वारा प्रकाशित

आमुख

इस प्रकाशन का उद्वेश्य जिला जींद मे पिछले एक वर्ष में सामाजिक एवम् आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यो के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है। इसमें जिले से संबंधित विभिन्न विषयों विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, उद्योग, सड़क, तथा परिवहन, संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैक, शिक्षा, चिकित्सा, समाजकल्याण इत्यादि के अतिरिक्त बहुत से विषयों पर सूचना के साथ–2 जनगणना 2011 के अनुसार जनसंख्या की सूचना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है ।

यह प्रकाशन विभिन्न विभागो, अनुसंधान संस्थाओ और उन संस्थाओ एवं व्यक्तियों के लिये उपयोगी सिद्व होगा जिनकी जिला जींद की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े अन्य पहलुओं में रुचि है।

मैं जिला जींद के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों, जिन्होंने इस प्रकाषन के लिये सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हूं ।

मैं श्री रणवीर सिंह, क्षेत्रीय सहायक, श्री रोहताश, सांख्यिकीय सहायक एंव श्रीमती निर्मल स0जि0सा0अ0 द्वारा इस प्रकाशन को संकलित करने ग्राफ तैयार करने तथा रिपोर्ट को समय पर प्रकाशित करने के लिये आभार प्रकट करता हूं ।

तिथि: 03.11.2015

विजय कुमार
जिला सांख्यिकीय अधिकारी
जींद

.

जिला : जींद

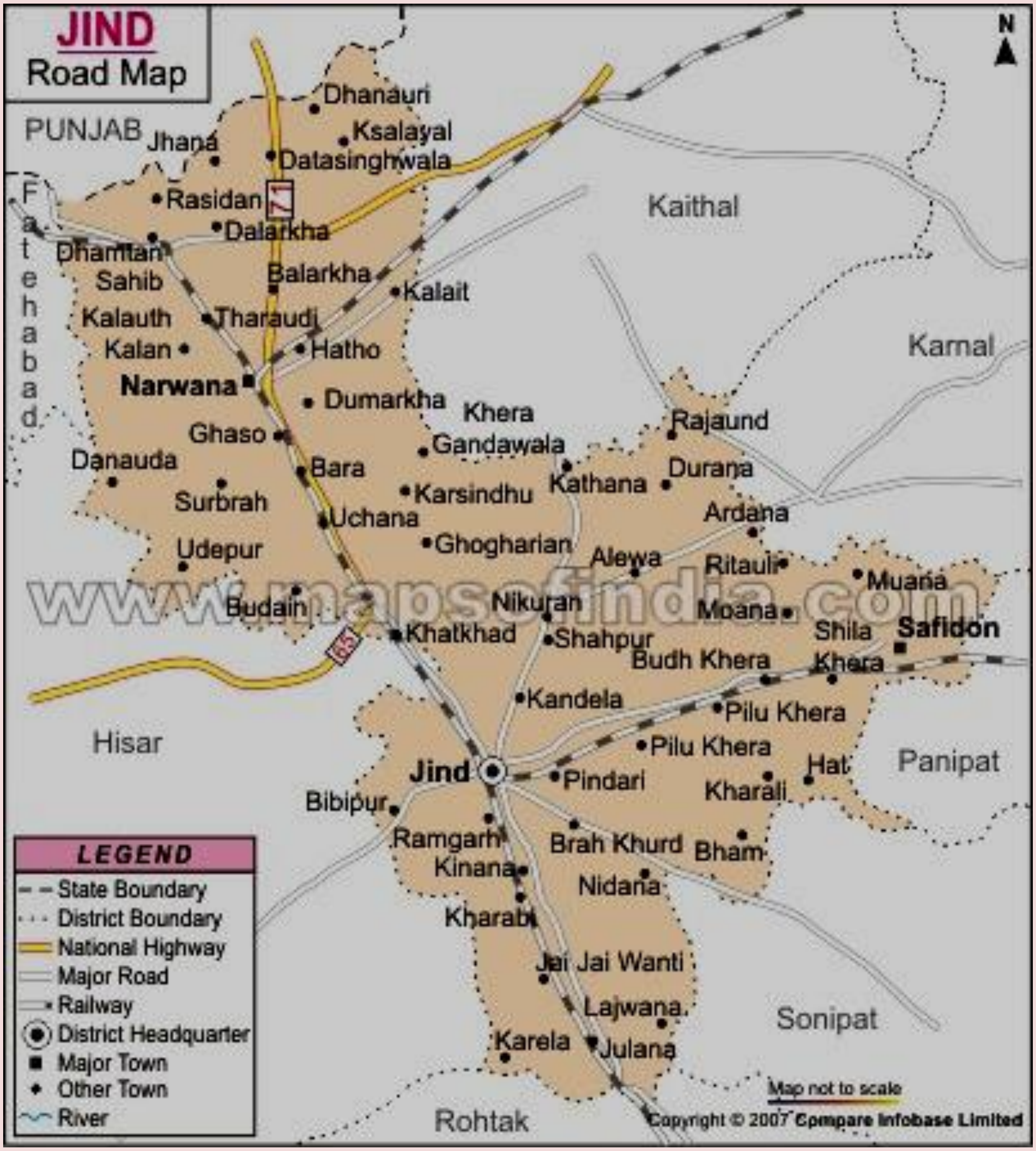

उपमण्डल : जींद, नरवाना, सफीदों।

तहसील : जींद, जुलाना, नरवाना, सफीदों।

उप तहसील : अलेवा, उचाना, पिल्लुखेडा।

खण्ड : जींद, जुलाना, नरवाना, सफीदों, अलेवा, उचाना, पिल्लुखेडा।

नगरपालिका : जींद, जुलाना, नरवाना, सफीदों, उचाना ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण–जिला जींद

विषय सूची

	विषय	पृष्ट संख्या
1	**परिचय एवं भौगोलिक स्थिति**	1–3
2	**जनसंख्या**	4–12
	जनगणना के आकंडे	
	घनत्व	
	ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
	साक्षरता ग्रामीण व शहरी	
3	**वन**	13
	वनो के अधीन क्षेत्रफल	
4	**कृषि**	14–16
5	**सिचाई**	17–18
	सिचाई के साधन	
	फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र	
	सिचाई की सधनता	
	नलकूप / पम्पिग सैट	
	बाढ	
6	**पशुपालन तथा डेरी**	19–21
	पशु पालन	
	पशु चिकित्सालय सेवायें	
	डेरी 'दुग्ध उत्पादन'	
7	**मछली पालन**	22
8	**विद्युत**	23
	एल टी और 11 किलोवाट लाइने	
	नलकूप	
	विभिन्न परियोजनाओ में विद्युत का उपयोग	

	विषय	पृष्ट संख्या
9	**खनिज पदार्थ तथा उद्योग**	24—25
	खनिज उत्पादन	
	लघु उद्योग इकाईयां	
10	**सड़क तथा परिवहन,संचार**	26
	सड़को की लम्बाई	
	राज्य परिवहन	
	सड़क दुर्घटनायें	
	पंजीकृत गाडियों की सख्यां	
	डाकघर व तार घर	
11	**श्रम तथा रोजगार**	27
	औद्योगिक झगडें	
	रोजगार केन्द्र	
	मजदूरी की औसत दैनिक आय	
12	**सहकारिता**	28
13	**बैंक**	29
14	**कीमतें**	30
15	**शिक्षा**	31—33
16	**चिकित्सा तथा स्वास्थ्य**	34—35
17	**कमजोऱ वर्ग**	36—37
18	**विविध**	38—45

अध्याय–1

परिचय एवं भौगोलिक स्थिति

परिचय

जिला जीन्द का उद्धभव प्रथम नवम्बर 1966 को हरियाणा राज्य के बनने के समय हुआ । जिला जीन्द प्रारम्भ में जीन्द तथा नरवाना तहसीलों को मिला कर बनाया गया था जो पहले जिला संगरूर का भाग थी । तीसरी तहसील सफीदो को वर्ष 1967 में तहसील जीन्द से पृथक कर गठित किया गया था । जनवरी 1973 में तत्कालीन जिला कुरूक्षेत्र की तहसील कैथल से 6 गांव तहसील नरवाना में, 43 गांव तहसील जीन्द में तथा 5 गांव तहसील सफीदो में स्थानान्तरित किये गये । हांसी तहसील (हिसार) का एक गांव बरसोला 1974 में तहसील जीन्द को स्थानान्तरित किया गया । नवम्बर, 1990 को नये जिला कैथल के उद्धभव के साथ जिला जीन्द से 44 गांव कैथल जिला में स्थानान्तरित कर दिये गये । इसके पश्चात् वर्ष 1996–97 में 5 गांव तहसील असन्ध (करनाल) से तहसील सफीदो (जीन्द) में स्थानान्तरित कर दिये गये । इसके पश्चात् 24.12.1999 को जीन्द तहसील के 30 गांव पृथक करके जुलाना नामक चौथी तहसील सृजित की गई । इस प्रकार अन्तिम स्थिति अनुसार तहसील जीन्द में 98, नरवाना में 108, सफीदो में 70 तथा जुलाना में 30 गांव है ।

जिला जीन्द का कुल क्षेत्रफल 2702.00 वर्ग किलोमीटर है जो हरियाणा के कुल क्षेत्रफल का 6.11 प्रतिशत है । इसकी जनसंख्या वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 1334152 है जो पूरे राज्य का 5.26 प्रतिशत है। इसकी 4 तहसीलें जीन्द, नरवाना, सफीदो तथा जुलाना है और 3 उप–मण्डल जीन्द, नरवाना व सफीदों है। प्रशासनिक मुख्यालय, जीन्द में स्थित है । जिले के कुल क्षेत्रफल में से 791.67 वर्ग किलोमीटर जीन्द तहसील में, 1155.14 वर्ग किलोमीटर नरवाना तहसील में, 529.91 वर्ग किलोमीटर सफीदो तहसील में तथा 269.48 वर्ग किलोमीटर जुलाना तहसील में है ।

जिला जीन्द में अब कुल 306 गांव है जिसमें से 302 आबाद व चार गांव बेचिराग है। दो बेचिराग गांव तहसील जीन्द में है और एक–एक बेचिराग गांव तहसील नरवाना व जुलाना में है। जिलें में 3 उप–तहसील अलेवा, पिल्लुखेडा व उचाना है । सभी गांवों को सात सामुदायिक विकास खण्डों जीन्द, जुलाना, उचाना, सफीदो, अलेवा, पिल्लखेडा व नरवाना में बॅाटा गया है । यहां पर 5 कस्बें जीन्द, सफीदो, नरवाना, उचाना व जुलाना है। इस जिलें में 300 ग्राम पंचायते है और 8 उप–मण्डियां है। जिले का अधिकांश क्षेत्र समतल है।

यहां की मिट्‌टी गेहूॅं, बाजरा, धान, दालें, गन्ना, कपास आदि फसलों की उपज के बहुत अनुकूल है। यहां पर गर्मियों में बहुत गर्मी तथा सर्दियों में बहुत सर्दी पड़ती है। यहां कोई बड़ी नदी, नाला व पहाडी नहीं है। जिलें की भूमि नदियों द्वारा पहाडों से लाई गई मिट्‌टी से बनी है। जीन्द व सफीदो तहसील की भूमि प्राकृतिक आधार पर नरवाना तहसील की भूमि से भिन्न है।

परीक्षण करने पर पाया गया है। कि यहॉ का भूजल Ground Water 14 प्रतिशत अच्छा, 7 प्रतिशत सामान्य, 22 प्रतिशत सोडियम युक्त, 12 प्रतिशत आंशिक क्षारीय और 45 प्रतिशतयुक्त क्षारीय है।

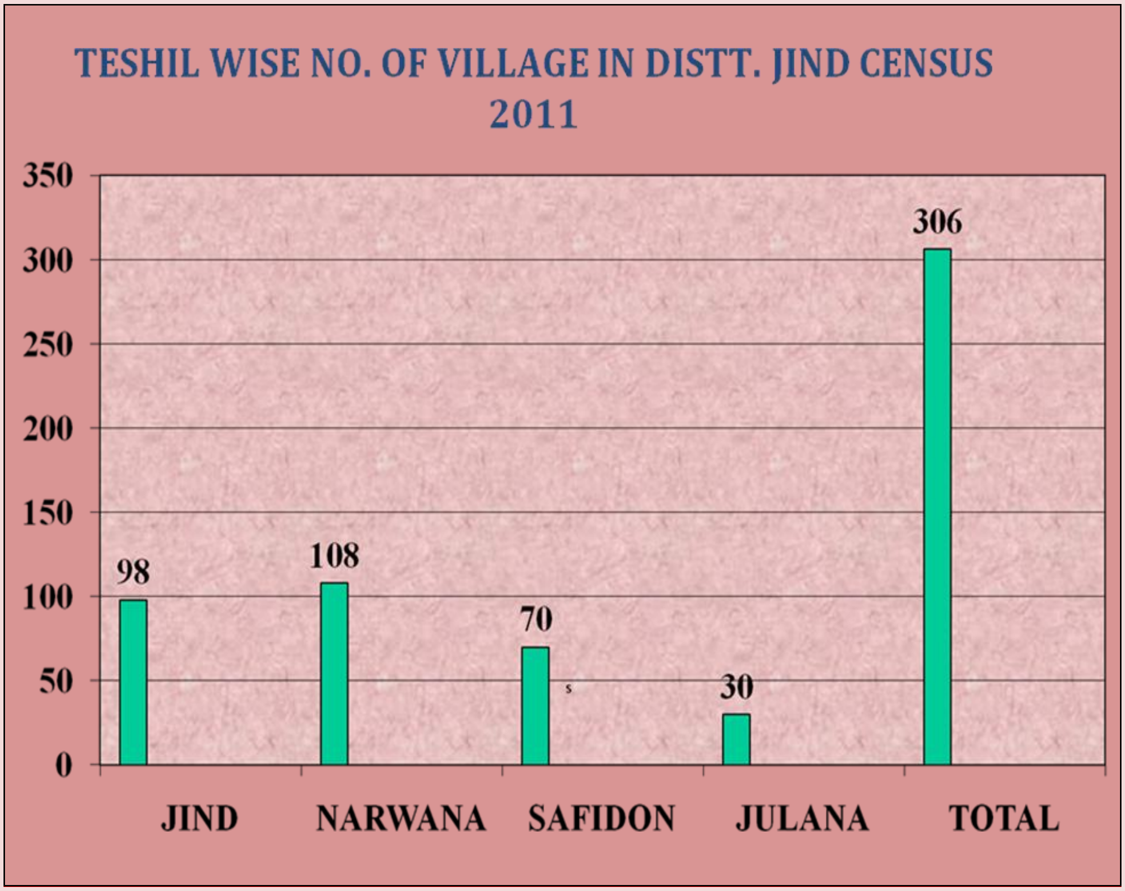
TESHIL WISE NO. OF VILLAGE IN DISTT. JIND CENSUS 2011
350
300
250
200
150
100
50
0
98
108
70
30
306
JIND
NARWANA
SAFIDON
JULANA
TOTAL

अध्याय–2

जनसंख्या (Population)

जनगणना 2011 के आंकडो के आधार पर

जनगणना के आकड़े

जिला जींद की जनसंख्या जनगणना 2011 के आंकडो के आधार पर 1334152 है । जिसमें 713006 पुरुष व 621146 स्त्रियां है। जबकि 2001 के अनुसार जिले की जनसंख्या 1189827 थी । जिसमें 642282 पुरुष व 547545 स्त्रियां थी। 2001–2011 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 12.13 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है। जबकि 1991–2001 दशकीय वृद्वि दर 21.36 थी। इसी प्रकार जिले की जनसंख्या के साथ–साथ राज्य की जनसंख्या में भी दशकीय वृद्वि दर हुई है। यह दर 1991–2001 में 28.43 प्रतिशत थी। जो 2001–2011 में 19.90 हो गई है।

तालिका : जिले की जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार

जिला जींद	जनगणना 2011	जनगणना 2001	अन्तर	दशकीय वृद्वि
पुरुष	713006	642282	70724	11.01
स्त्री	621146	547545	73601	13.44
कुल जनसख्या	1334152	1189827	144325	12.13

जिसमें पुरुषों में 11.01 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई व स्त्रियों में 13.44 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है।

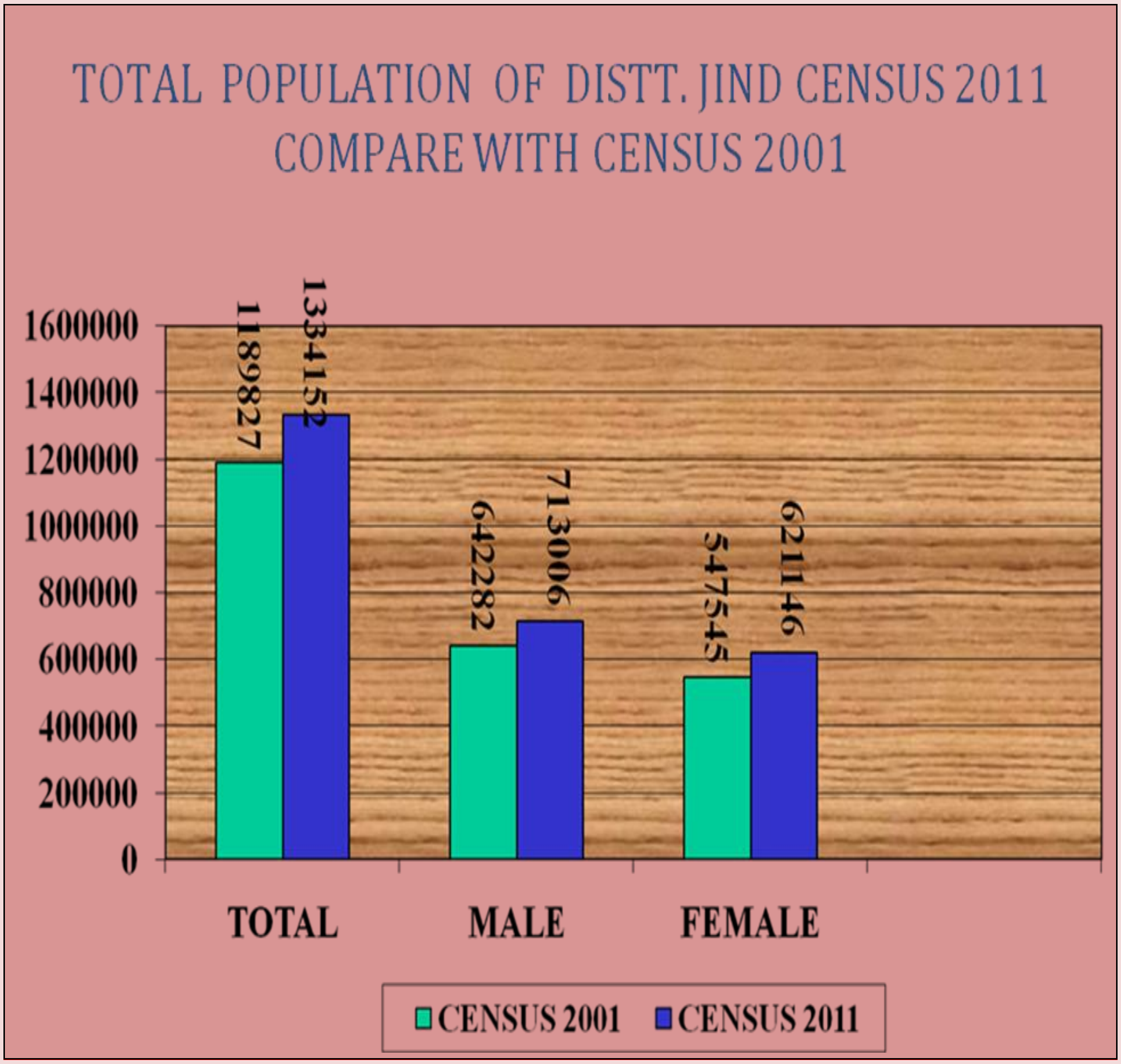
TOTAL POPULATION OF DISTT. JIND CENSUS 2011
COMPARE WITH CENSUS 2001
1600000
1400000
1200000
1000000
800000
600000
400000
200000
0
1189827
1334152
642282
713006
547545
621146
TOTAL
MALE
FEMALE
CENSUS 2001
CENSUS 2011

TOTAL POPULATION OF DISTT. JIND CENSUS 2011

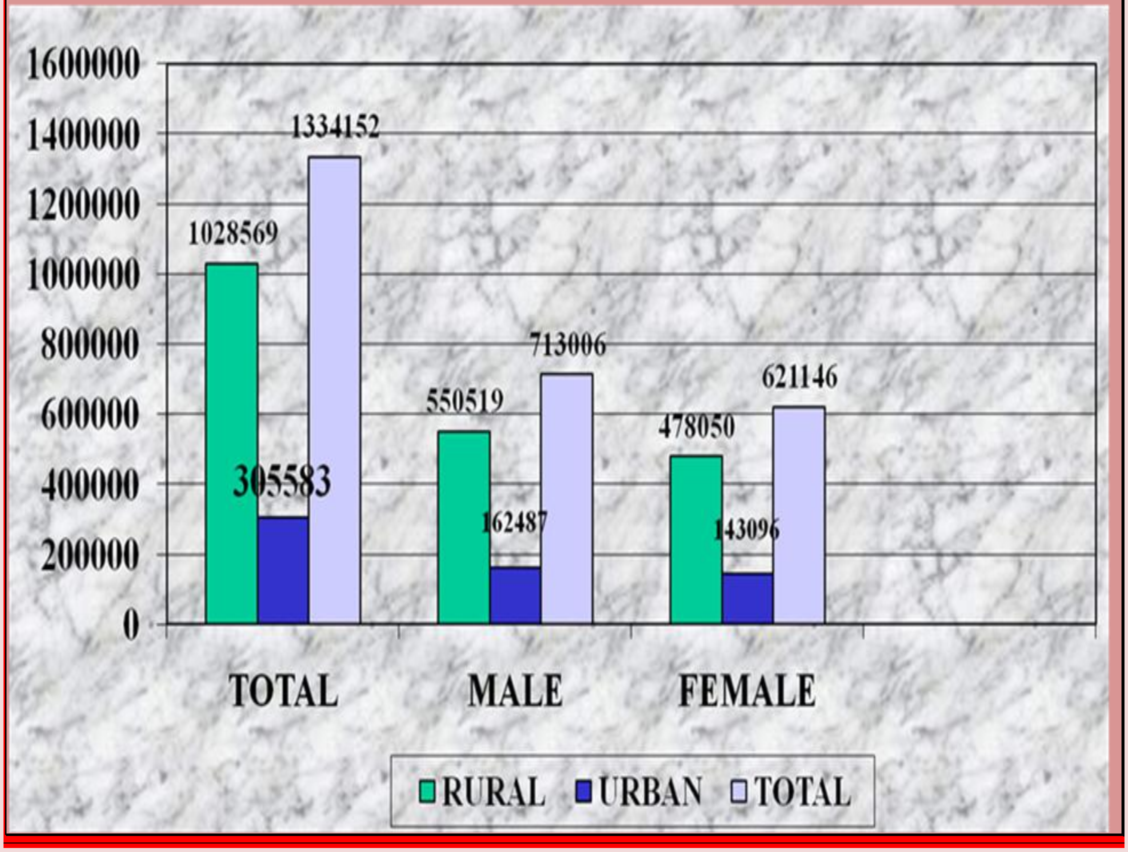

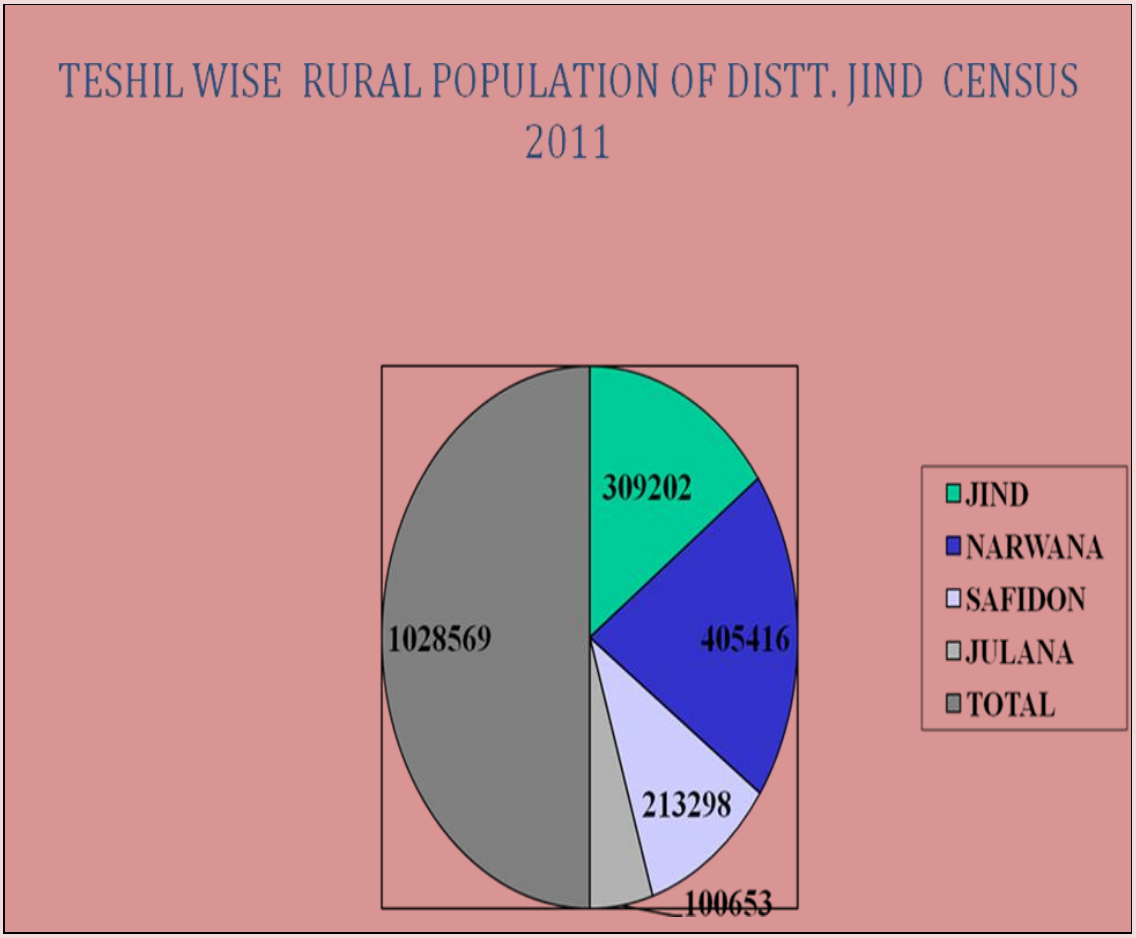
TESHIL WISE RURAL POPULATION OF DISTT. JIND CENSUS 2011
309202
405416
213298
100653
1028569
JIND
NARWANA
SAFIDON
JULANA
TOTAL

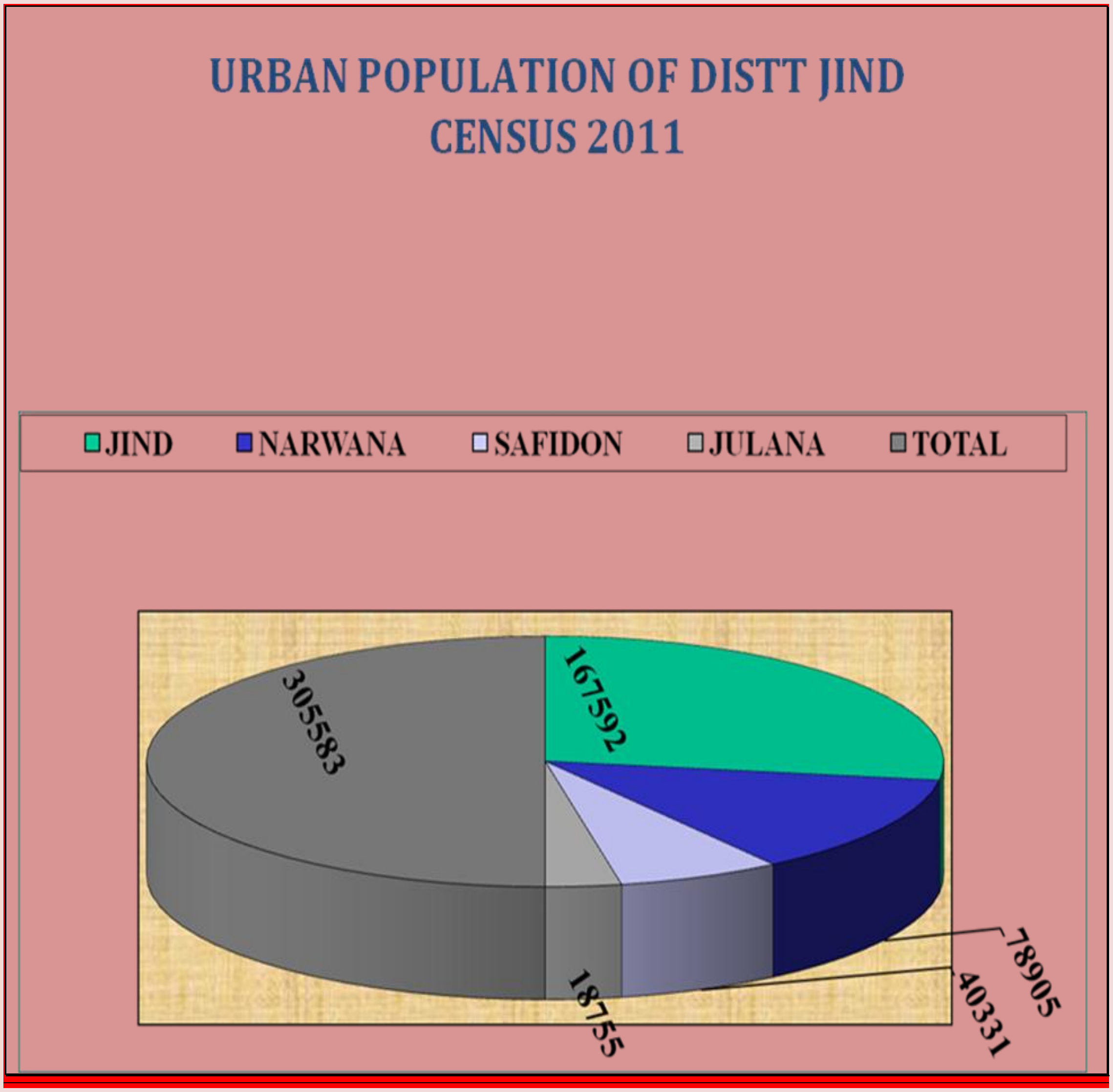

<u>ग्रामीण व शहरी जनसंख्या</u>

जनगणना 2011 के आंकड़ो के अनुसार जिले की लगभग 1028569 जनसंख्या जोकि कुल जनसंख्या का 77.10 प्रतिशत है। जो ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 550519 पुरुष तथा 478050 स्त्रियां है। ग्रामीण क्षेत्र में तहसील जींद की जनसंख्या 309202 , नरवाना़ की 405416, सफीदों की 213298 व जुलाना की जनसंख्या 100653 है। जिले की शहरी जनसंख्या 305583 जो कुल जनसंख्या का 22.82 प्रतिशत है जिसमें 162487 पुरुष तथा 143096 स्त्रियां है। शहरी क्षेत्र में नगर जींद की 167592 जनसंख्या में 89253 पुरुष तथा 78339 स्त्रियां है, नरवाना की 78905 जनसंख्या में 41891 पुरुष तथा 37014 स्त्रियां है, सफीदों की 40331 जनसंख्या में 21435 पुरुष तथा 18896 स्त्रियां है और जुलाना की 18755 जनसंख्या में 9908 पुरुष तथा 8847 स्त्रियां है।

तालिका : जिले की जनसंख्याः जनगणना 2011

जनसंख्या	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी		
तहसील/ नगर	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री
जींद	309202	165870	143332	167592	89253	78339
नरवाना	405416	216101	189315	78905	41891	37014
सफीदो	213298	114425	98873	40331	21435	18896
जुलाना	100653	54123	46530	18755	9908	8847
कुल	1028569	550519	478050	305583	162487	143096

जिले की ग्रामीण जनसंख्या 2011 में 1028569 है। जो 2001 में 948250 थी । इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 8.47 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है। जिले की शहरी जनसंख्या 2001 में 241577 सें बढ़ कर 2011 में 305583 हो गई है। अतः शहरी जनसंख्या में 26.50 प्रतिशत की वृद्वि हुई ।

घनत्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भोगोलिक क्षेत्र के आंकडों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल हरियाणा के क्षेत्रफल का 6.11 प्रतिशत है जबकि जनसंख्या 5.25 प्रतिशत है।

जनगणना 2011 के आधार पर जिले का अनुमानित घनत्व 494 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 2001 की जनगणना के अनुसार जिले का घनत्व 440 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 था । हरियाणा राज्य का घनत्व 2001 जनगणना के अनुसार 478 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 था जोकि जनगणना 2011 में 573 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 हो गया है।

लिगांनुपात

जनगणना 2011 के आंकडों के अनुसार जिला जींद में प्रति हजार पुरुषों पर 871 महिलाओं है जो जनगणना 2001 के आंकडों के अनुसार 852 थी । इससे स्पष्ट है कि लिंग अनुपात में 2001 की तुलना में बढोतरी हुई है। 2011 के आंकडों के अनुसार हरियाणा राज्य में यह अनुपात 879 है जो अन्य कई राज्यो की तुलना में कम स्तर पर पहुंचा है।

जिला जींद की जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में यह अनुपात क्रमशः 868 तथा 881 है। जो 2001 में क्रमशः 842 तथा 814 था।

साक्षरता

जिला जींद की जनगणना 2001 के अनुसार 739121 व्यक्ति साक्षर थे जबकि जनगणना 2011 के अनुसार 832758 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 502049 पुरूष साक्षर तथा 330709 स्त्री साक्षर है। 2011 में जिले में 71.44 की साक्षरता दर दर्ज की गई है। जिले में 80.81 पुरुष साक्षरता दर, 60.76 स्त्री साक्षरता दर है।

साक्षरता ग्रामीण तथा शहरी

2011 जनगणना के अनुसार जिले में 71.44 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमे 80.81 प्रतिशत पुरुष तथा 60.76 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है। जबकि 2001 जनगणना के अनुसार जिलें में 62.12 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे जिनमे 73.82 प्रतिशत पुरुष तथा 48.50 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर थी।

जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण तथा शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 46.12 तथा 73.56 प्रतिशत थी ।

तालिका : जिले की जनसंख्याः साक्षरता जनगणना 2011

जींद	कुल साक्षरता	पुरुष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	कुल साक्षरता दर	पुरुष साक्षरता दर	स्त्री साक्षरता दर
ग्रामीण	617715	377967	239748	68.85	78.89	57.34
शहरी	215043	124082	90961	80.11	87.25	72.07
कुल	832758	502049	330709	71.44	80.81	60.76

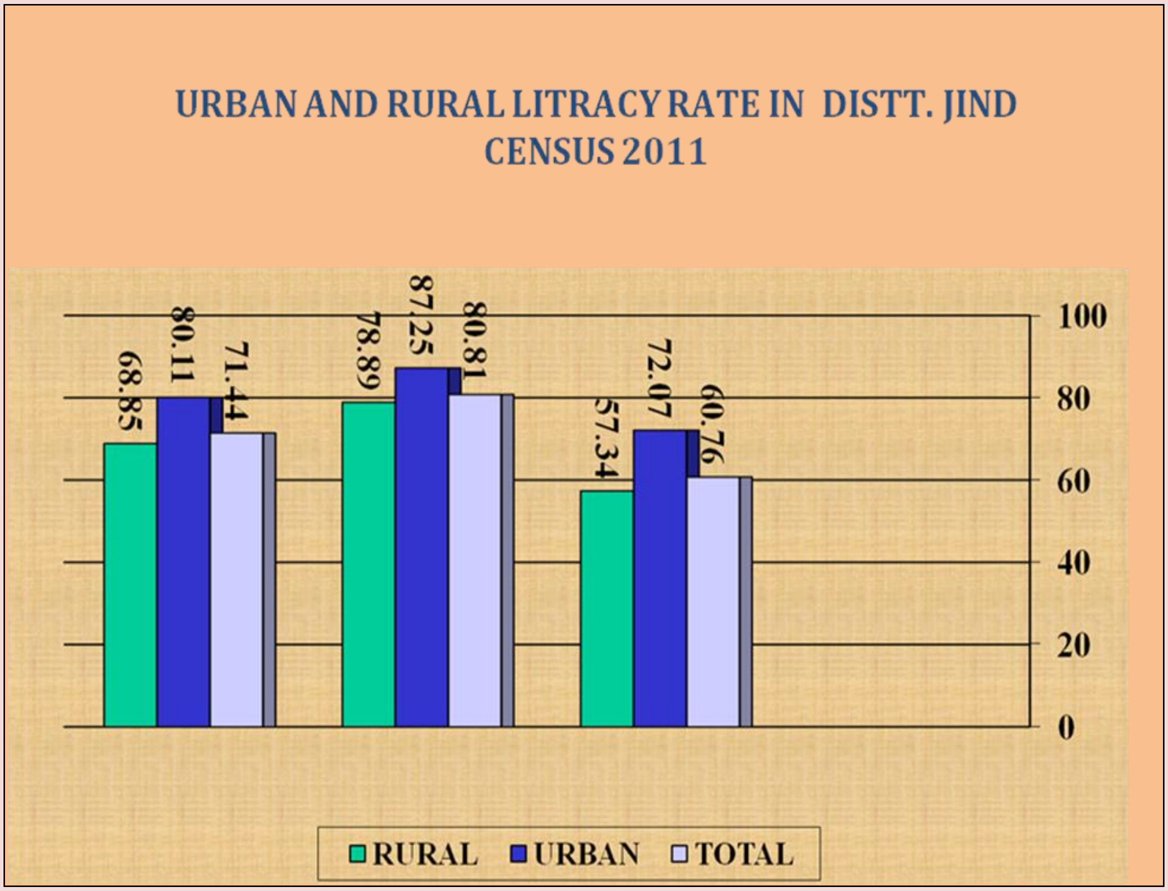
URBAN AND RURAL LITRACY RATE IN DISTT. JIND
CENSUS 2011
68.85
80.11
71.44
78.89
87.25
80.81
57.34
72.07
60.76
100
80
60
40
20
0
RURAL
URBAN
TOTAL

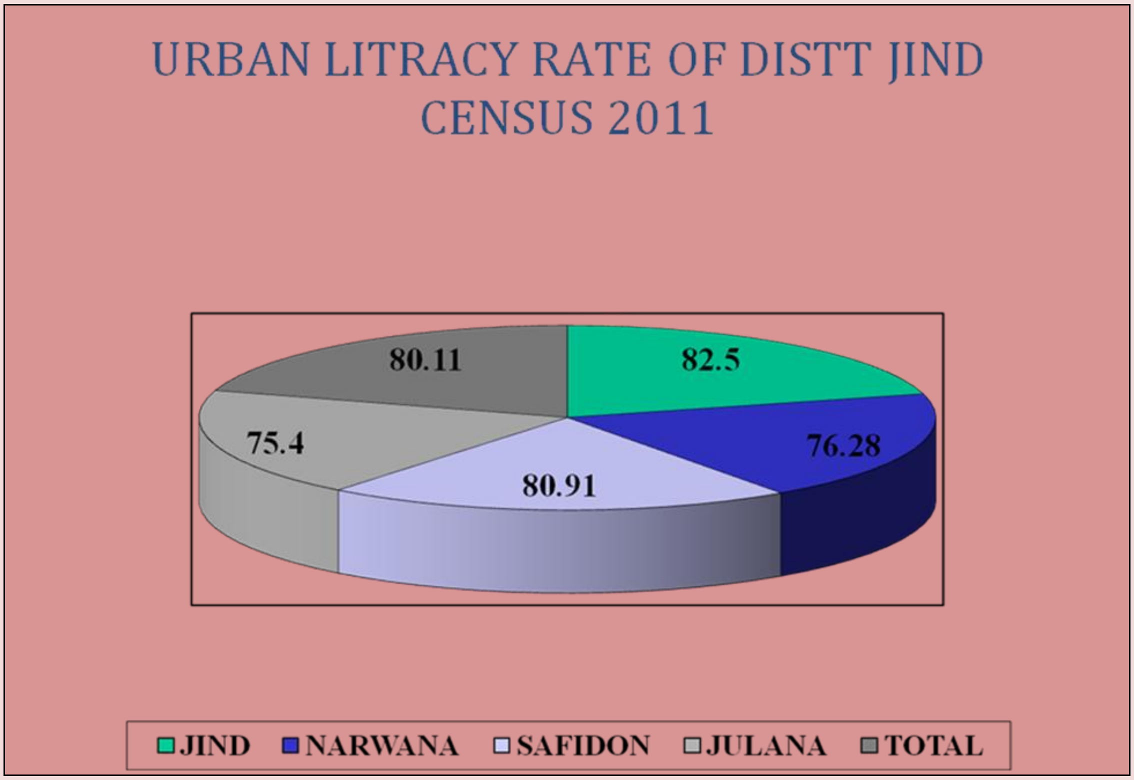
URBAN LITRACY RATE OF DISTT JIND
CENSUS 2011
82.5
76.28
80.91
75.4
80.11
JIND
NARWANA
SAFIDON
JULANA
TOTAL

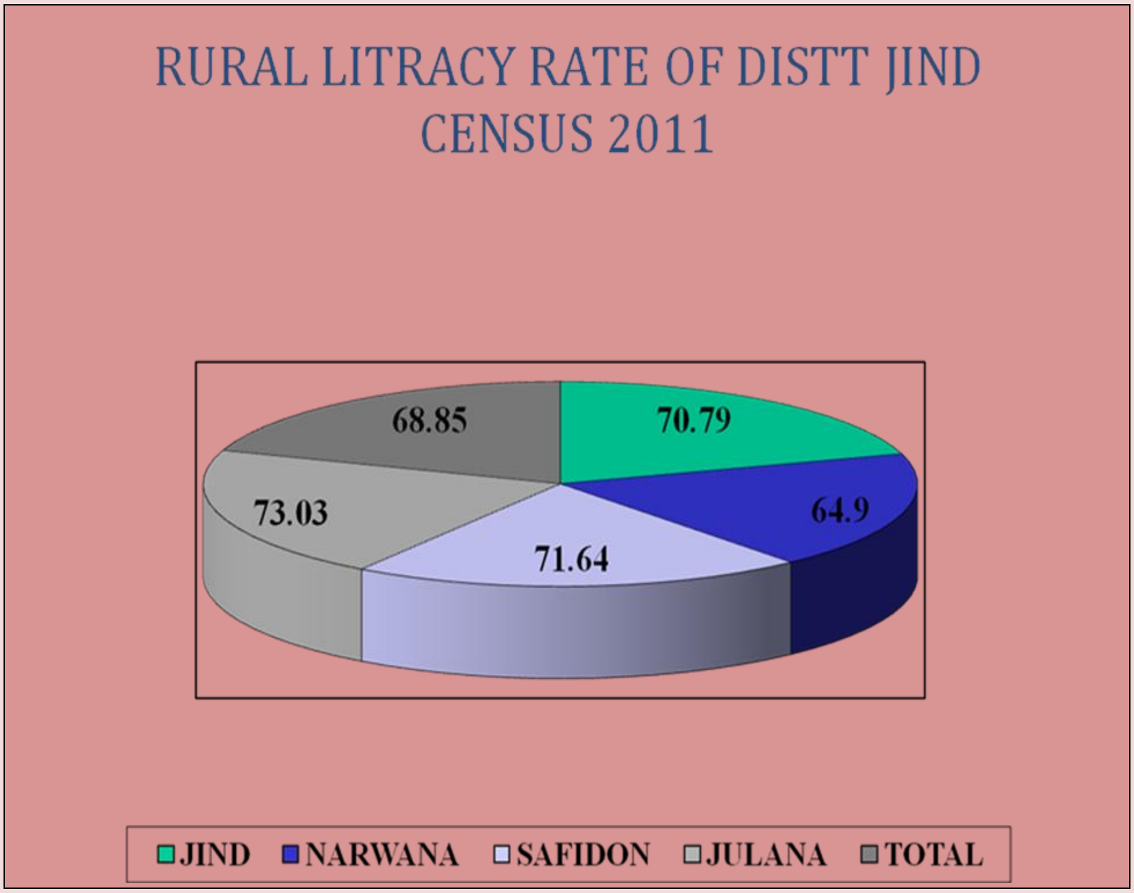
RURAL LITRACY RATE OF DISTT JIND
CENSUS 2011
70.79
64.9
71.64
73.03
68.85
JIND
NARWANA
SAFIDON
JULANA
TOTAL

अध्याय -3

वन (Forest)

वनों के अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिलें में वर्ष 2013–14 में लगभग 6900 हैक्टेयर क्षेत्र वनों के अधीन था जो कुल क्षैत्रफल का 2.55 प्रतिशत है। अत; सम्पूर्ण रूप से राज्य वनों के अधीन है। निजी वनो के अधीन क्षेत्र शुन्य है। एक लाख व्यक्तियों पर वन का क्षेत्र 517 हैक्टेयर है। वनों के लिए विकास योजनाओं में कृषि वानिकी वन तथा सामाजिक वानिकी शाामिल है। सामाजिक वानिकी वन मंडल अधिकारी रोहतक के अधीन कार्य कर रही है।

जीन्द में वनों के अधीन क्षेत्र **वर्ग किलोमीटरों में**

जिला	राज्य वन			निजी वन			
	आरक्षित	संरक्षित	अवर्गीकृत	भारतीय वन अधिनियम के अन्तर्गत बन्द किए गए	भू.संरक्षण वन अधिनियम के अन्तर्गत बन्द किए गए	जोड	राज्य वनों की कुल वनों के क्षेत्रफल से प्रतिशतता
1	2	3	4	5	6	7	8
जींद	4	63	2	@	-	69	100

@ एक से कम है।

अध्याय -4

कृषि (Agriculture)

भूमि का प्रयोग

वर्ष 2012–13 (अ) में गावों के प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 278 हजार हैक्टेयर है। 34 हजार हैक्टेयर क्षेत्र गैर कृषि प्रयोजनों के अधीन है।

वर्ष 2012–13 (अ) कृषि योग्य भूमि 244 हजार है0 है, जबकि बोया गया निवल क्षेत्र 239 हजार है0 है जो कृषि योग्य भूमि का 97.96 प्रतिशत है । एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 231 हजार है0 है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 96.65 प्रतिशत है। वर्ष 2012–13 में जिला जींद में कुल बोया गया क्षेत्र 470 हजार है0 रहा ।

तहसील जींद, नरवाना, सफीदों, जुलाना निवल बोया क्षेत्र क्रमशः 67.072 हजार, 101.5 हजार, 45.02 हजार, तथा 23.48 हजार है0 है जो कुल कृषि योग्य भूमि क्षेत्र का 99.00 प्रतिशत है ।

जिला जींद में वर्ष 2012–13 के दौरान तहसीलवार कृषि योग्य भूमि बोया गया निवल क्षेत्र निम्न प्रकार से है।

तहसील	कृषि योग्य भूमि	बोया गया निवल क्षेत्र	बोये गये निवल क्षेत्र की कुल कृषि योग्य क्षेत्र से प्रतिशता
जींद	69.637	67.072	99.18
नरवाना	101.506	101.506	100.00
सफीदो	46.614	45.021	96.58
जुलाना	25.836	23.482	90.88
कुल	243.593	239.081	98.14

कृषि जोतें

वर्ष 2012–13 (अ) की कृषि गणाना के अनुसार जिले में सक्रिय जोतों की संख्या जींद, 92279 थी। जिसमें से 61.01 प्रतिशत 0–2 हैक्टेयर तक, 25.29 प्रतिशत 2–5 हैक्टेयर के मध्य 9. 64 प्रतिशत 5–10 हैक्टेयर के मध्य, 3.42 प्रतिशत 10–20 हैक्टेयर के मध्य तथा शेष 1.00 प्रतिशत 20 हैक्टेयर से अधिक हैं।

जिला जींद की रबी की मुख्य फसलें गेहूॅं व चना तथा खरीफ की मुख्य फसलें धान ,बाजरा गन्ना व कपास है। वर्ष 2012–13 के दोरान रबी में बोये गए कुल क्षेत्र में से 215.9 हजार ह्रैक्टेयर में गेहूॅं और 0.1 हजार हैक्टेयर में चने की बिजाई की गई ।

गन्ना व कपास क्रमष; 3.4 हजार हैक्टेयर व 66.8 हजार हैक्टेयर में बोया गया जबकि वर्ष 2011–12 में गन्ना 2.9 हजार हैक्टेयर व 63.0 हजार हैक्टेयर में कपास बोई गई । तेल के बीज तारामिरा, तिल, तोरिया व सरसों 4.5 हजार हैक्टेयर में बोये गए जबकि वर्ष 2012–13 में इन फसलों के अधीन कुल क्षेत्र 4.6 हजार हैक्टेयर है।

तालिका; विभिन्न फसलों के अधीन क्षेत्र के वर्षवार आकडें निम्न प्रकार से है। (हजार हैक्टेयर में)

फसल	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13
गेहूॅं	215.2	215.2	215.8	216.6	215.9
चना	0.4	0.2	0.2	0.1	0.1
धान	106.9	108.3	113.9	114.8	114.0
बाजरा	53.1	44.9	43.2	28.3	22.7
तेल के बीज	6.1	5.6	5.0	4.5	4.6
गन्ना	2.1	1.2	2.1	2.9	3.4
कपास अमेरिकन व देसी	45.1	46.0	47.3	63.0	66.8

मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों के अधिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि उपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा। जिले की मुख्य फसले गेहूं तथा धान है ।

वर्ष 2012–13(अ) में गेहूं का उत्पादन 922 हजार टन, चावल का उत्पादन 318 हजार टन तथा गुड़ का उत्पादन 19.0 हजार टन था । चावल की औषत उपज 2790 कि0 ग्रा0, गेंहु की 4270 कि0ग्रा0 तथा गुड़ की 6481 कि0ग्रा0 प्रति है0 रही ।

रासायनिक खाद का वितरण

वर्ष 2013–2014 (अ) कुल खाद का उपयोग 88290 टन रहा । उपयोग में नाईट्रोजन 73154 टन तथा फासफोरस 14151 टन अनुपात लगभग 5.16:1 रहा जबकि पोटास का उपयोग केवल 985 टन रहा ।

पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2013–14 (अ) में 182.0 टन कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया गया जो मुख्यत गेहॅू तथा धान की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया ।

कृषि यन्त्र तथा उपकरण

पशुधन गणना 2007 अनुसार जिले में उपयोग किए गए कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में ट्रैक्टरों की संख्या 14349 थी। कल्टीवेटर की संख्या 6128 व बैलगाडियों की संख्या 53780 थी।

अध्याय -6

सिंचाई (Irrigation)

सिंचाई के साधन

सिंचाई में वर्ष 2012–2013 (अ) में निवल सिंचित क्षेत्र 239000 है0 था जो कि बोये गये निवल क्षेत्र का 100 प्रतिशत था। स्त्रोतानुसार सिंचाई के क्षेत्र में 27.20 प्रतिशत नलकूपों व अन्य साधनों से तथा 72.80 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा । नलकूपों द्वारा कुल 65000 है0 तथा नहरों द्वारा 174000 है0 भूमि की सिंचाई की गई ।

फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2012–2013 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 459 हजार है0 था जो शतप्रतिशत सिंचित था । फसलानुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही गेहूं के अधीन 216 हजार है0 धान के अधीन 114 हजार है0 गन्ने के अधीन 3 हजार है0, कपास के अधीन 67 हजार है0 तथा तेल बीजों एवं खाद्य अखाद्य फसलों के अधीन 42 हजार है0 रहा ।

तालिका:जिला जींद में सिंचित क्षेत्र की स्थिति '000है0' में

फसल	2009–2010	2010–2011	2011–2012	2012–2013
गेहूँ	215	216	217	216
बाजरा	27	25	16	14
चना	0	0	0	0
धान	108	114	115	114
कपास	46	47	63	67
गन्ना	1	2	3	3
तेल के बीज	42	43	46	42
दालें	1	1	1	1

संचाई की सघनता

वर्ष 2012–2013 (अ) में जिला जींद में कुल सिंचित क्षेत्र 459 हजार है0 है। जबकि वर्ष 2011–2012 में जिला जींद में कुल सिंचित क्षेत्र 463 हजार है0 ही था तथा निवल सिंचित वर्ष

2011–2012 में क्षेत्र 236 हजार है0 था जबकि वर्ष 2012–2013 में जिला जींद में कुल निवल सिंचित क्षेत्र 239 हजार है0 हो गया जिस के अनुसार सिंचाई की सघनता 192 प्रतिशत रही ।

<u>नलकूप / पम्पिंगसैट</u>

वर्ष 2013–2014 (अ) में कुल नलकुपों तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 53485 थी। जिसमें 18460 डीजल सैट व 35025 बिजली के सैट थे।

<u>बाढ.</u>

जिला जींद में वर्ष के दौरान यमुना नदी में अति बहाव हो जाने के कारण बाढ़ से प्रभावित हो जाता है, जबकि वर्ष 2013–2014 में यह जिला बाढ़ से प्रभावहीन रहा।

अध्याय -6

पशु पालन तथा डेरी (Live Stock)

पशुपालन

2007 की पशुगणना के अनुसार जिला जींद में पशुधन की संख्या 697086 थी । 2003 में कुल पशुधन में से भैसें 72 प्रतिशत भेंड 6.41 बकरी 1.41 प्रतिशत घोड़ें तथा टटटू 0.34, खच्चर 0. 07 प्रतिशत, सूअर 2.25 प्रतिशत तथा ऊँट 0.05 व कुत्ते 0.09 प्रतिशत थे ।

जिला जींद में 2007 की पशुगणना के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशुसंख्या 102 थी । भैसें 428000 घोडें तथा टटटू 2000,खच्चर 500, गधें 400 भेड़ें 45300, बकरियां 10000,सूअर 15900, कूते 700, ऊँट 400, तथा कुकुटादि 3732 थी ।

जिला जीद में पशुधन और कुक्कुटादि पालन 2003 तथा 2007

वर्ष	2003	2007
पशु	130200	120926
भैसें	501900	501938
घोड़ें	1900	1942
टटटू	0	439
गधें	400	349
खच्चर	1000	489
भेड	48200	44359
बकरियां	9700	9924
ऊँट	400	343
सूअर	11900	15545
कुत्ते	50400	832
कुल	756000	697086
कुक्कुटादि पालन	47100	4241226

पशु चिकित्सा सेवाये

वर्ष 2013–2014 में जिले में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिये 60 पशु चिकित्सालय, 172 पशु चिकित्सा डिस्पैंनसरियां कार्यरत थे। सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2013–2014 में 593000 पशुओं का इलाज किया गया, वर्ष के दौरान 43000 गाय तथा 181000 भैसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला जींद में सघन पशुधन विकास परियोजना अन्तर्गत एक मध्यम आकार की प्ररियोजना कार्य कर रही है, जिसके अन्तर्गत वीर्य बैंक है।

जिले में 2013–2014 में 19 विकसित गौशाला थी तथा गौशाला संघ से सम्बन्धित गौशालाओं की संख्या 18 थी ।

डेरी दुग्ध उत्पादन

दुग्ध उत्पादन कृषको के लिये अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2007 की पशु गणनानुसार कुल पशुधन अर्थात 697086 में से 152293 दुधारू पशु थे ।

विकास कार्य उनका प्रभाव

जिला जींद में दो दुग्ध संयत्र लगे हुए है। इन संयन्त्रो में वर्ष के दौरान दूध, घी इत्यादि का उत्पादन किया जाता है। इनकी क्षमता प्रति मास 100.00 हजार टन लीटर की है।

यहॉ पर सहकारी समितियों ंके माध्यम से दूध का एकत्रीकरण करके Milk Plant में प्रतिदिन भेजा जाता है। जिसका मुख्य उददेश्य इस क्षेत्र में Dair Farming को विकसित करना है। इस Plant में अन्य दूध पदार्थ जैसे धी ,मक्खन, दूग्ध पाउॅडर तथा Tond मिल्क आदि तैयार किए जाते है।

वर्ष 2013–14 के दौैरान 150.00 हजार लीटर प्रति दिन दूध की खरीद करके 65.8 हजार लीटर प्रतिदिन दूध की पैकिग करके बेचा गया। इस के अतिरिक्त 1893.3 मी0 टन वीटा धी, 195.1 मी0 टन पनीर एवं 1168.9 मी0 टन SMP मिल्क का उत्पादन किया गया।

जिला जीद में दुग्ध संयत्रों द्धारा वर्ष 2013–14 में किया गया उत्पादन :-

S.N	Particulars	Units	Vita Plant
1	Installed capacity	000LPD	150
2	Avg.Milk procurement	000LPD	95.0
3	Avg. city milk sale	000LPD	65.8
4	Ghee production	MT/KG	1893.3
5	Paneer prodution	MT/KG	195.1
6	Ice-creame/SMP	MT/KG	1168.9

अध्याय -7

मछली पालन (Fish Farming)

यहां जिला मुख्यालय पर एक मत्स्य विकास अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और तीनों उपमंडलों जींद, नरवाना, तथा सफीदो में तीन मत्स्य अधिकारी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त एक मत्स्य अधिकारी जुलाना में कार्यरत हैं। जिले में अधिसूचित जल में मछली पकडने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है। और प्रति वर्ष खुली निलामी द्वारा इस की नीलामी करवाई जाती ह। अधिसूचित तालाबों से वर्ष 2012–13 में 4698 हजार रूपये की आय हुई है। वर्ष 2012–13 के दौरान मछली उत्पादन 6985 टन था जो कि वर्ष 2013–14 में बढकर 23018 टन हो गया। जिले में मत्स्य बीज का उत्पादन किया जाता तथा साथ लगते जिलों से मछली बीज की मॉग पूरी की जाती है। वर्ष 2013–2014 में मछली पालन से कुल 4024 हजार रुपये की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 87 लाईसैस जारी किये गये ।

विभाग मछली पालने के लिए आधुनिक तकनीक विधि अपनाने के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है । राष्ट्रीयकृत बैंक भी प्रत्येक लाभकर्त्ताओं को 3,00,000 रू0 की राशि ऋण के रूप में प्रदान करते है तथा 75000 रू0 की राशि ग्रामीण प्रति हैक्टेयर तालाबों के सुधार के लिए भी प्रदान की जाती है । विभाग मछली पालन के उपरोक्त केसों में 60000 रू0 तालाबों की खुदाई के लिए अनुदान भी प्रदान करता है ।

अध्याय -8

बिजली (Electricity)

जिलें के सभी गांवों व कस्बों में बिजली प्रदान की जा चुकी है । यहां पर तीन जीन्द, नरवाना एवं सफीदो हरियाणा राज्य विद्युत प्रसार निगम के मण्ड़ल है और यहां पर कार्यकारी अभियन्ता इन्चार्ज है जिसकी देखभाल में बिजली आपूर्ति की जाती है ।

एल0टी0 और 11 किलोवाट लाईनें

जिलें मे वर्ष 2013–14 के दौरान 5851 सर्कट किलोमीटर में एल0टी0 लाईनें 7459 सर्कट कि0मी0 में 11 किलोवाट लाईनें व 25338 ट्रांसफार्म थे जबकि वर्ष 2012–13 में 5555 सर्कट कि0मी0 में एल0टी0 लाईनें, 6834 सर्कट कि0मी0 में 11 किलोवाट लाईनें व 23390 ट्रांसफार्म थे ।

नलकूपों की संख्या

विद्युतीकृत नलकूपों की संख्या जिलें में वर्ष 2013–14 में 38368 हो गई जबकि वर्ष 2012–13 में 35847 थी ।

बिजली की खपत

जिलें में वर्ष 2012–13 के दौरान संयोजकों की कुल संख्या 252241 थी जो वर्ष 2013–14 में 261742 हो गई । इस प्रकार से इसमें 3.76 प्रतिशत की वृद्बि हुई है। धरेलु संयोजकों की संख्या सबसे अधिक 200154 (76.46 प्रतिशत) थी । वाणिज्यिक, औद्योगिक, सार्वजनिक प्रकाश , कृषि भारी मात्रा एवं अन्य संयोजकों की संख्या 20705 (7.91 प्रतिशत), 2437 (0.93 प्रतिशत), 45 (0.017 प्रतिशत), 37703 (14.40 प्रतिशत), 33 (0.012 प्रतिशत), तथा 665 (0.25 प्रतिशत) थी । जिलें में वर्ष 2013–14 के दौरान बिजली की खपत 8449.27 लाख कलोवाट है।

अध्याय -9

खनिज और उद्योग

(Mining and Industries)

खनिज उत्पादन

वर्ष 2013–14 में जिला जीन्द में माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेषानुसार, प्रदूषण प्रबन्धन योजना के अभाव के कारण शोरा निकालने व तैयार करने के लिए किसी भी गांव को ठेका या परमिट नहीं दिया गया। अत वर्ष 2013–14 मे शोरा का उत्पादन शून्य रहा।

उद्योग

जिला जीन्द उद्योगों के मामलें में पिछड़ा हुआ है । जिसका मुख्य कारण उद्यमीपण और सहायक कच्चे माल की सुविधा का अभाव है। यहां पर 31 जुलाई 1996 को केवल 145 मध्यम श्रेणी की लद्यु एंव ग्रामीण औद्योगिक ईकाईयां कार्यरत थी। वर्ष 2013–14 के दौरान जिलें में 170 भट्ठे चल रहे है। जिनसे वर्ष 2013–14 में 5352279 रू0 राजत्व के रुप में प्राप्त हुए।

वर्ष 2013–14 के दौरान जिलें में 36 औद्योगिक ईकाईयां पंजीकृत की गई जबकि वर्ष 2012–13 के दौरान जिलें में 26 औद्योगिक ईकाईयां पंजीकृत की गई थी। इसके अतिरिक्त वर्ष 2012–13 के दौरान अनूसुचित जाति से सम्बन्धित 12 व्यक्तियों को आर्थिक सहायता दी गई जबकि 2011–12 में भी 70 व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी ।

जिलें में दिसम्बर 2013 को 193 रजिस्टर्ड कार्यकारी फैक्टरियों में नियुक्त कार्यकत्ताओं की संख्या 14845 थी। जिलें के कार्यकारी रजिस्टर्ड फैक्टरियों में कार्यकत्ताओं की राज्य में कार्यकत्ताओं की संख्या का 1.77 प्रतिशत है तथा कार्यकारी फैक्टरियां राज्य का 1.71 प्रतिशत है ।

जिलें में वर्ष 2013–14 के दौरान मुख्य फैक्टरियों द्वारा शून्य लाख रू0 के साईकल पुर्जे, शून्य लाख रू0 का विज्ञान का सामान, शून्य वर्ग0मी0 हथकरघा बुनकर, शून्य मीट्रिक टन खांड़, शून्य लाख रू0 के कृषि उपकरण तथा मशीनरी औजार, शून्य लाख रू0 के सूती कपड़े तथा शून्य हजार गांठे कपास बेलना तथा स्पीड़न का उत्पादन किया गया था ।

जीन्द में औधोगिक उत्पादन :–

उत्पादन	2012–13	2013–14
सूती कपडें (लाख रु0)	0	0
खांड (मीट्रिक टन)	22000	0
कृषि उपकरण (लाख रु0)	976	0
जलपाईप फिटिंग (लाख रु0)	–	0
विज्ञान का सामान (लाख रु0)	0	0
हथकरघा बुनकर (वर्ग मीटरों में)	13075	0
कपास बेलना तथा सपीड़न (000 गांठे)	7600	0

अध्याय -10

सड़क तथा परिवहन

(Road, Transport and Communication)

सड़को की लम्बाई

लोक निर्माण विभाग 'भवन तथा सड़के' द्वारा पूरे वर्ष भर निरन्तर सड़कों की देखभाल की जाती है। साल 2013–2014 में जिले में 974 कि0 मी0 पक्की सड़के और शून्य कि0 मी0 कच्ची सड़के थी। इस प्रकार सड़को की कुल लम्बाई 974 कि0 मी0 थी। तथा जिले के सभी गांव सड़को से जुड़े हुए हैं।

राज्य परिवहन

जिले में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है तथा दो सब डिपो है। जिसमें 177 बसें जिले के भीतर व राज्य तथा अन्तर्राज्य रूटों पर चलाई जा रही है। इन बसों द्वारा 2013–2014 में 192.30 लाख कि0मी0 दूरी तय की गई जिस से 1799.31 लाख रू0 हानि हुई है। इन बसों से प्रतिदिन औसत 90504 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

सड़क दुर्घटनायें

दिसम्बर 2013 तक में 394 दुर्घटनाये घटी जिसमें 394 गाडियां दुर्घटना ग्रस्त हुई । इन दुघर्टनाओं में 189 व्यक्ति मारे गयें तथा 308 व्यक्ति घायल हुए ।

पंजीकृत गाडियों की संख्या

जिले में वर्ष 2012–2013 के दोरान रजिस्टर की गई गाडियॉ की संख्या 20725 थी। जिनमें सबसे अधिक 14080 मोटर साईकिल / स्कूटर /ओटो साईकिल थे। 31 मार्च 2013 तक चल रही गाडियॉ की संख्या 212602 थी।

डाकघर व तारघर

वर्ष 2013–2014 में जिले में 162 डाकघर तथा 2 तारघर कार्य कर रहे थे । प्रति लाख व्यक्ति के पीछे 12 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिये 604 लेटरबांक्स की सेवाये प्रदान की गई।

अध्याय -11

श्रम तथा रोजगार

(Labour and Employment)

औद्योगिक आंकड़ें

जिले में वर्ष 1971 में केवल एक पंजीकृत ट्रेड़ यूनियन थी जिसकी सदस्य संख्या 155 थी । दो दशाकों के बाद इसकी संख्या में तेजी से वृद्धि हुई और यह संख्या वर्ष 2010 में 25 तक पहुंच गई जिसके सदस्यों की संख्या 760 थी । वर्ष 2013 में पंजीकृत ट्रेड़ यूनियन की संख्या 25 है। परन्तु इसके सदस्यों की संख्या वर्ष 2012 से धटकर 329 रह गई । वर्ष 2013 के दौरान महत्वपूर्ण फैक्टरी दुर्धटना व औद्योगिक झगड़ों की संख्या 05 थी ।

रोजगार

जिले में 31 दिसम्बर 2013 को कुल 4657 प्रतिष्ठान थे जिनमें 12737 व्यक्ति कार्यरत थे । इनमें से 4253 दुकानें, 217 वाणिज्य प्रतिष्ठान और 187 होटल व जलपानगृह थे ।

31 मार्च 2014 को संगठित क्षेत्र में कुल रोजगार 23294 में से 20202 (86.72 प्रतिशत) सार्वजनिक क्षेत्र में था जबकि निजी क्षेत्र में केवल 3092 (13.28 प्रतिशत) था । जबकि 31 मार्च 2013 को सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार की संख्या 20182 व निजी क्षेत्र में रोजगार की संख्या 3091 थी ।

श्रमिकों की दैनिक औसत आय

31 मार्च 2014 को जिले में निपुण कार्यकर्त्ताओं जैसे बढई की दैनिक मजदूरी क्रमशः 500 रू0 थी व लुहार की दैनिक मजदूरी क्रमशः 350 रू0 थी जबकि गत वर्ष यह 310 रू0 थी । कृषि मजदूरों की वर्ष 2013–14 में औसत मजदूरी 300/– रू0 है। वर्ष 2012–13 में भी यह दर 300 रू0 ही थी ।

अध्याय -12

सहकारिता (Co-operation)

समितियां

जिलें में सहकारी वर्ष जून 2014 की समाप्ति पर सभी प्रकार की सहकारी समितियों की संख्या 1434 थी तथा इनकी सदस्य संख्या 346079 थी । जोकि 30 जून 2013 की समाप्ति पर सहकारी समितियों की संख्या 1430 और इसकी सदस्य संख्या 345448 थी ।

उधार समितियां

वर्ष 2011–12 में उधार समितियों की संख्या जिलें में 57 थी । इनमें 30 (42.25 प्रतिशत) कृषि उधार समितियां और शेष 27 (57.74 प्रतिशत) गैर प्राथमिक कृषि उधार समितियां थी ।

वर्ष 2013–14 में उधारेतर सहकारी समितियों की कुल संख्या 1434 थी जिसमें एक केन्द्रीय बैंक, 30 केन्द्रीय भूमि विकास बैंक, 6 विपणन, 4 बुनकर समितियां, 633 दुग्धपूर्ति, 1 उपभोक्ता समितियां/कन्जुमर स्टोर, 25 आवास समितियां, 6 खेती समितियां, शून्य महिला समिति तथा शेष 688 अन्य प्रकार की समितियां थी । वर्ष 2013–14 के दौरान सभी समितियों का हिस्सा पूंजी 128.89 लाख रू0, निजी पूंजी 292.59 लाख रू0 व कार्य पूंजी 1785.05 लाख रू0 थी । पिछलें वर्ष हिस्सा पूंजी 13.46 लाख रू0, निजी पूंजी 79.66 लाख रू0 व कार्य पूंजी 767.7 लाख रू0 थी ।

अध्याय -13

बैंक उद्योग (Banking)

बैंक तथा इसकी संख्या

जिलें में 31 मार्च 2014 की समाप्ति पर अनूसुचित बैंकों की कुल संख्या 141 थी। इनमें से 43 ग्रामीण क्षेत्र में और षेष 20 शहरी क्षेत्र में स्थित थे । इस समय एक लाख जन–संख्या को बैंकिग सेवा प्रदान करने के लिए औसतन 5.12 शाखाएं है ।

जिला जीन्द में 31 मार्च 2014 को अनूसुचित बैंको में कुल जमा राशि 3047 करोड़ रू0 व ऋण राशि 3636 करोड़ रू0 थी । ऋण जमा अनुपात 119.00 था जबकि मार्च 2013 में यह अनुपात 116.84 था । अनूसुचित बैंको में वर्ष 2014 में प्रति व्यक्ति जमा धन राशि 27178 करोड़ रू0 है । जबकि मार्च 2013 में प्रति व्यक्ति जमा धन राशि 18671 करोड़ रू0 थी ।

अध्याय -14

कीमतें (Price)

थोक भाव

खाद्यान्नों की कटाई के समय वर्ष 2013–14 में गेहूँ का भाव 1550 रू0 तथा धान का भाव 1370 रू0 प्रति क्विंटल था जबकि वर्ष 2012–13 में गेहूँ का भाव 1350 रू0 तथा धान का भाव 1280 रू0 प्रति क्विंटल था । जिलें में वर्ष 2013–14 में मार्केट कमेटी जीन्द, नरवाना, जुलाना, सफीदो, पिल्लुखेडा व उचाना थी । इनमें प्रत्येक शुक्रवार को कृषि पदार्थो के थोक भाव व मासिक आमद एकत्रित किए जाते है ।

खुदरा भाव

खाद्य वस्तुओं के प्रति कि0ग्रा0 औसत खुदरा भाव मार्च 2014 के अमतल में गेहूँ (आटा) 19 रू0, चावल 30 रू0, चना 45 रू0, मुंग दाल 110 रू0, चीनी मध्यम 36 रू0, सरसों का तेल 80 रू0, गुड़ 30 रू0 तथा वनस्पति धी (5 कि0टीन) 325 रू0 प्रचलित थे । अखाद्य वस्तुओं के खुदरा भाव मार्च 2013 के अमतल में इस प्रकार थें :– नहाने का साबुन 32 रू0 प्रति टिकियां, जुते बाटा 899 रू0 प्रति जोड़ा, बर्तन एल्युमिनियम 220 रू0 प्रति कि0ग्रा0, कपड़ा लट्ठा 30 रू0 प्रति मीटर था जबकि वर्ष 2012 में यह भाव इस प्रकार थे :– नहानें का साबुन 32 रू0 प्रति टिकियां, जुते बाटा 899 रू0 प्रति जोड़ा, बर्तन एल्युमिनियम 250 रू0 प्रति कि0ग्रा0 और कपड़ा लट्ठा 55 रू0 प्रति मी0 प्रचलित थे।:– खाद्य वस्तुओं के प्रति कि0ग्रा0 औसत खुदरा भाव

फसल	मार्च 2013	मार्च 2014
चावल	30	30
गेहूँ	14	16
मुंग दाल	85	110
चीनी मध्यम	39	36
वनस्पति धी(5 कि0टीन)	325	400
गुड	32	32
चने	45	45
सरसों का तेल	95	80
जुते बाटा	899	899
नहाने का साबुन (लक्स)	32	32
बर्तन एल्युमिनियम	220	250

अध्याय -15

शिक्षा (Education)

विधालय तथा महाविधालय

जिला जींद में वर्ष 2012—13 के दौरान 498 प्राथमिक, 155 माध्यमिक तथा 434 उच्च वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे थे। इस के अतिरिक्त 19 महाविधालय भी कार्यरत थे। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 129690, 78723, 83923 छात्र है ।

वर्ष 2013—14 के दौरान 292336 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिनमें से 129690, (44.36) प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 78723, (26.92) प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 83923 में (28.70) प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों शिक्षा ग्रहण कर रहे थे ।

वर्ष 2013—2014 जिला जींद में अनुसूचित जाति के कुल 75605 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का (25.86) प्रतिशत है । इन में 35919, (47.50) प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 22910, (30.30) प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 16776, (22.18) प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

तालिका: मान्यता प्राप्त विधालयों में विधार्थियों की संख्या:

विद्यालय	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्र	छात्राऐं	कुल	छात्र	छात्राऐं
प्राथमिक	129690	70131	59559	35919	18978	16941
माध्यमिक	78723	42297	36426	22910	12030	10880
उच्च एवं वरिष्ठ	83923	45833	38090	16776	9092	7684
जोड़	292336	158261	134075	75605	40100	35505

NO. OF STUDENTS IN RECOGNISED SCHOOLS DISTT. JIND 2013-2014

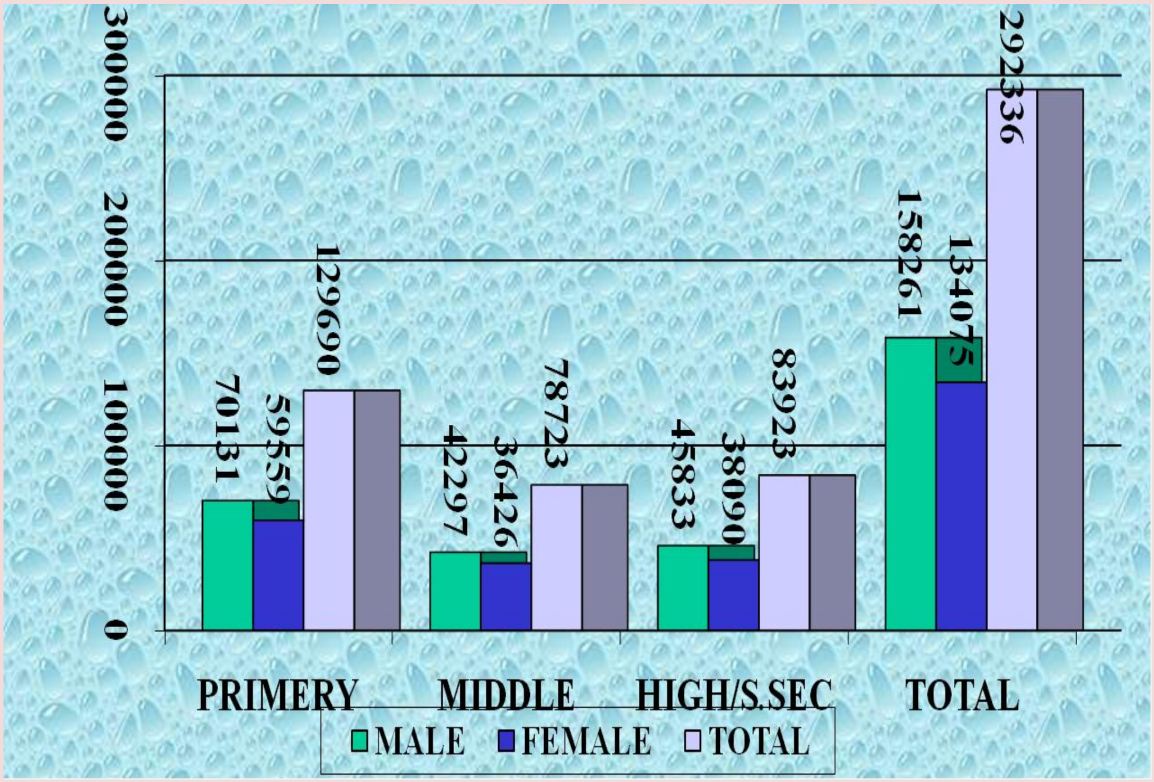

जिला जींद में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 61 प्राथमिक, 36 माध्यमिक तथा 47 उच्च एवं 46 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का था

प्रति अध्यापक विधार्थियों की संख्या निम्नप्रकार से रही।

वर्ष	प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च	वरिष्ठ
2010—2011	38	31	34	31
2011—2012	52	35	24	20
2012—2013	61	36	47	46

इसके अतिरिक्त प्राइमरी शिक्षा के लिये समेंकेतिक बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत जीद , नरवाना, सफीदों ,जुलाना, ओर उचाना ब्लाक में 1439 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत है।

जिला जींद में वर्ष 2013–2014 में 13 कला एवं विज्ञान तथा गृहविज्ञान के लिए महाविधालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी की संख्या।

कुल विद्यार्थी (अनुसूचित जाति)			केवल अनुसूचित जाति		
कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं
16256	8523	7733	4234	2564	1670

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिला में 8 इन्जिनियरिंग महाविधालय एवं एक प्रशिक्षण महाविद्यालय भी कार्यरत थे जिसमे कमशः 10603 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमें 2348 अनुसूचित जाति के विद्यार्थी थे ।

उपरोक्त के अतिरिक्त जिला जींद में 7 औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा एक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भी कार्य कर रहे थे जिनमें कुल 1934 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। इनमें 485 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

अध्याय -16

चिकित्सा एवं स्वास्थय

(Medical & Health)

स्वास्थ्य सेवाऐं

जिलें में चिकित्सा सुविधाएं नगरपालिका तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2012–13 में जिलें में 3 सामान्य हस्पताल, 9 ड़िस्पैंसरी जिनमें आयुर्वेदिक शामिल नहीं है। 27 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, 158 उप–केन्द्र व 6 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र जन–साधारण को चिकित्सा सुविद्याएं तथा स्वास्थ्य रक्षा प्रदान कर रहे है जबकि वर्ष 2007–08 में भी 2 सामान्य हस्पताल, 9 ड़िस्पैंसरियां, 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 158 उप–केन्द्र व 7 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत थे ।

वर्ष 2011–12	ग्रामीण	शहरी	जोड
सामान्य हस्पताल	.	3	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	25	2	27
ड़िस्पैंसरी	1	8	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	4	2	6
उप–केन्द्र	158	.	158
जोड	188	15	203

वर्ष 2012–13	ग्रामीण	शहरी	जोड
सामान्य हस्पताल	.	3	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	25	2	27
ड़िस्पैंसरी	1	8	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	4	2	6
उप–केन्द्र	160	.	160
जोड	190	15	205

वर्ष 2013 में 25835 बच्चों का जन्म हुआ जबकि वर्ष 2012 में 25901 बच्चों का जन्म हुआ था। जिलें में वर्ष 2013 के दौरान 8361 मौतें हुई जबकि वर्ष 2012 में 8391 मौतें हुई थी ।

परिवार कल्याण कार्यक्रम

जिलें में सभी परिवार कल्याण केन्द्र सूचारू रूप से कार्य कर रहे है। वर्ष 2013–14 के दौरान जिलें में 3561 व्यक्तियों ने परिवार नियोजन के लिए आप्रेशन करवाया जबकि वर्ष 2011–12 में 3713 व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम को अपनाया था

पीने के पानी की सुविधा प्राप्त गांव

इस जिलें में सभी आबाद गांवों में पीने का पानी सूचारू रूप से उपलब्ध करवाया जा रहा है ।

अध्याय -17

कमजोर वर्ग

(Weaker Section)

विशेष कार्यक्रम

1. इन्दिरा आवास योजना

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के उत्थान के लिये जिले में कुछ **विशेष** कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनमें मुख्यतः भवन निर्माण के लिये धन का प्रावधान, विद्यार्थियों के लिये छात्रवृतियां देना तथा मुफ्त पुस्तक व वर्दियां प्रदान करना है। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे रह रहे लोगों के लिए ब्याज की रियायती दर पर ऋण उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। वर्ष 2013–14 के दौरान जिले में इस कार्य के लिये 810.293 लाख रूपये की राशि में से 662.792 लाख रूपये की राशि खर्च करके 1100 नये मकानों का निर्माण करवाया गया, जबकि वर्ष 2012–13 में इस स्कीम के अन्तर्गत 670 परिवारों को लाभान्वित किया गया था।

2. मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना)

ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिये भारत सरकार ने प्रत्येक इच्छुक बेरोजगार परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिन का रोजगार देने हेतू 01.04. 2008 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रथम चरण में इस स्कीम के तहत वर्ष 2013–14 में 38022 परिवारों के जॉब कार्ड बनवाये गये और 13538 परिवारों को रोजगार दिया गया तथा 5.142 लाख कार्य दिवस सृजित किये गये। इस वर्ष इस स्कीम के तहत 645 परिवारों के एक साल में 100 दिन कार्य के पूरे किये गये। इस कार्यक्रम के लिये भारत सरकार व राज्य सरकार से वर्ष 2013–14 में 1652.06 लाख रूपये की राषि प्राप्त हुई तथा अन्य प्राप्तियों समेत कुल 1758.09 लाख रूपये की उपलब्ध राषि में से 31 मार्च 2014 तक 1661.17 लाख रूपये की राषि खर्च करके 467 कार्य पूर्ण किये गये तथा 238 कार्य प्रगति पर थे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन

देष में गरीबी उन्मूलन के उददेश्य से विभिन्न योजनाऐ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जाती रही है और समय–समय पर इनको ओर अधिक प्रभावी व सार्थक बनाने हेतु इनमें संशोधन भी किया जाता रहा है। इसी कडी में स्वर्णजयन्ति ग्राम स्वरोजगार योजना जोकि वर्ष

1999 में लागू की गई थी। उसके मूल्यांकन के बाद SGSY को केन्द्र सरकार द्वारा पुर्नगठित करके राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बनाया गया है। भारत सरकार द्वारा इस स्कीम का शुभारम्भ 3 जून 2011 को वान्सवाडा (राजस्थान) से किया गया। हरियाणा राज्य में यह योजना 1.4.2013 से शुरु हुई। इस योजना के तहत प्रथम चरण में चार जिलों कैथल, भिवानी झज्जर व मेवात के कुछ खण्डों को चुना गया। तत्पश्चात राज्य सरकार द्वारा NRLM स्कीम को सभी जिलों में लागू करने का फैसला लिया गया। जिसकी विधिवत शुरुआत माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा द्वारा 17 मई 2013 को तावडू से की। जिला जींद में 3 जून 2013 माननीय अतिरिक्त उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में आजीविका दिवस के रुप में मनाया गया।

अन्य अभिकरण

जिलें में वर्ष 2013–14 के दौरान हरियाणा हरिजन कल्याण निगम ने भी 500 गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जबकि वर्ष 2012–13 में 557 परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी । वित्तीय सहायता Subsidy & Margin Money के रूप में प्रदान की गई ।

अध्याय -18

विविध (Miscellanious)

1 नगरपालिकाएं

जिले में नगरपालिकाओं का आय–व्यय का विवरण निम्न प्रकार से है।

(रूपये लाख में)

नगर निगम/ नगर परिषद/ नगर पालिका	लेखा					
	आय	व्यय	आय	व्यय	आय	व्यय
	2011–12		2012–13		2013–14	
जींद	1551.96	1164.56	1676.11	1922.76	1328.94	1294.07
नरवाना	644.38	651.83	572.78	586.62	769.97	742.44
सफीदो	830.81	811.98	800.24	764.65	990.72	984.79
उचाना	59.85	104.21	152.70	156.71	424.91	147.67
जुलाना	96.24	95.17	270.55	196.97	228.58	1578.20
कुल	3183.24	2827.75	3475.38	3627.71	3743.12	4747.17

2. नगरपालिका एवं जिला परिषद

जिला जीन्द में वर्ष 2013–14 के दौरान पॉच नगरपालिकाएं जींद, नरवाना, सफीदों, जुलाना एवं उचाना कार्यरत है । इस वर्ष के दौरान इन नगरपालिकाओं का कुल आय 3743.12 लाख रू0 तथा खर्च 4747.17 लाख रू0 थी । इस जिलें में जिला परिषद का गठन किया जा चुका है तथा खण्ड़ स्तर पर 7 पंचायत समितियां भी गठित की गई है ।

3. जिला राजस्व

जिलें में वर्ष 2013–14 के दौरान सामान्य बिक्री कर से 13579.88 हजार रु0 ,केन्द्रीय बिक्री कर से 405.11 हजार रु0 तथा मनोरंजन से 5.32 लाख रु0 आय हुई जबकि शोकर से कोई आय नहीं हुई। वर्ष 2012–13 में सामान्य बिक्री कर से 1320543 हजार रू0, केन्द्रीय बिक्री से 39861 हजार रू0 तथा मनोरंजन व शोकर से 0.32 हजार रू0 की आय हुई थी

4. पुलिस, अपराध तथा कारागार

31 दिसम्बर 2013 को जिलें में 11 पुलिस स्टेशन तथा 12 पुलिस चौकिंया थी। इसके अतिरिक्त एक पुलिस लाईन भी है जिसमें कर्मचारियों के लिये सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है।

वर्ष 2013–14 के दौरान जिलें में कानुन व्यवस्था आमतौर पर सामान्य रही । वर्ष 2013 में कुल 2923 प्रेक्षय अपराधों में 56 हत्या, 308 सैध व चोरी 726 साधारण व पशु चोरी 33 लुट, 130 हरण, 167 दंगा व अवैध सभा 11 संदोष मानव हत्या व 1 सिक्का बनाने की अपराधिक धटनाएं धटी ।

5. **मनोरंजन**

जिला जीन्द में 1 सिनेमा धर है जो मनोरंजन की सुविधा प्रदान कर रहा है । इस जिलें में बुलबुल तथा नरवाना में (हरियरल रेस्तरा) है । जिनका प्रबन्ध Haryana Tourism Corporation द्वारा किया जाता है इस जिलें में 2 स्टेड़ियम (अर्जुन स्टेड़ियम) जीन्द में तथा नवदीप स्टेड़ियम, नरवाना में है जिनमें खेल–प्रतियोंगिताएं आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है ।

6. लद्यु सचिवालय

इस समय लद्यु सचिवालय में उपायुक्त, उप–मण्ड़ल अधिकारी (ना) नगराधीश तथा सभी कार्यालयों के लियें इसमें जगह उपलब्ध है ।

7. सरकारी कर्मचारी

31 मार्च 2014 को जिला जीन्द में सरकारी कर्मचारियों की कुल संख्या 17962 थी । जिसमें 126 वर्ग 1 , 1381 वर्ग 2 , 8817 वर्ग 3 , 2652 वर्ग 4 तथा 4986 अन्य कर्मचारी थे।

तालिकाः—जिला जींद में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31/3/2014

	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़ा वर्ग	
वर्ग	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री
वर्ग 1	116	10	21	3	10	1
वर्ग 2	870	511	97	51	109	34
वर्ग 3	6780	2037	1043	195	1185	252
वर्ग 4	2234	418	821	205	404	65
अन्य	1273	3713	341	492	168	253
कुल	11273	6689	2323	946	1876	605

TOTAL NO. OF EMPLOYEES IN DISTRICT JIND AS ON 31-03-2014

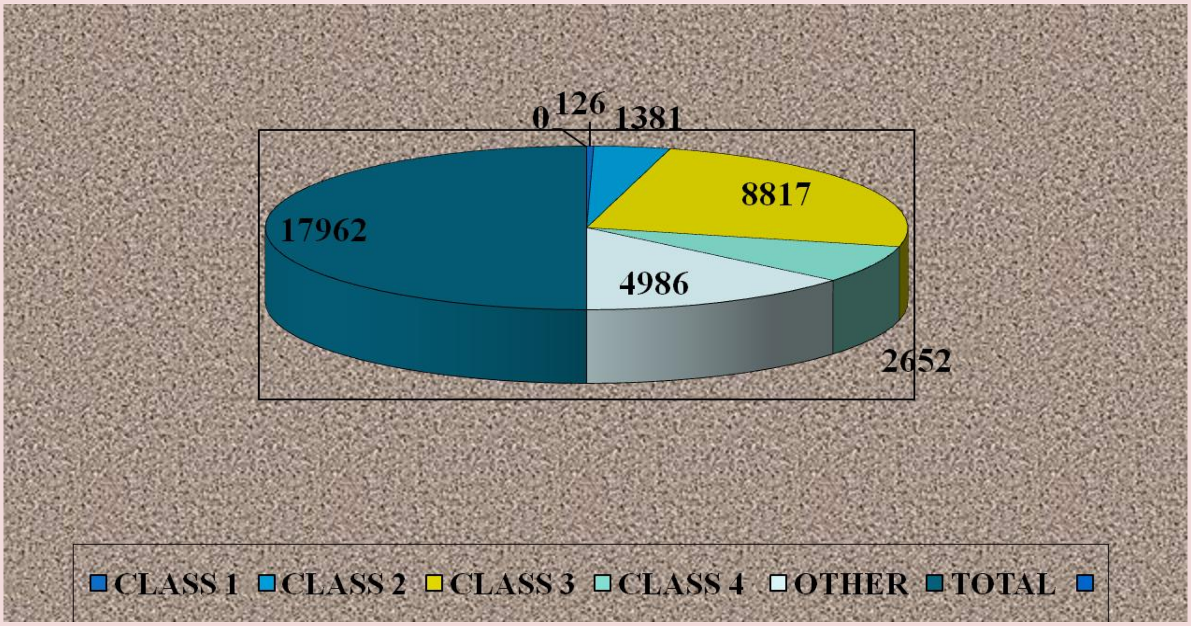

NO.OF S.C. EMPLOYEES IN DISTT. JIND AS ON 31.3.2014

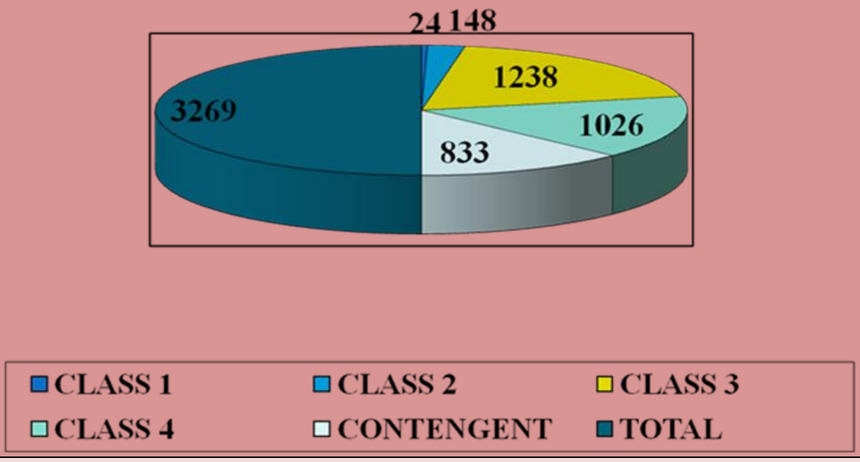

NO.OF B.C. EMPLOYEES IN DISTT. JIND AS ON 31.3.2014

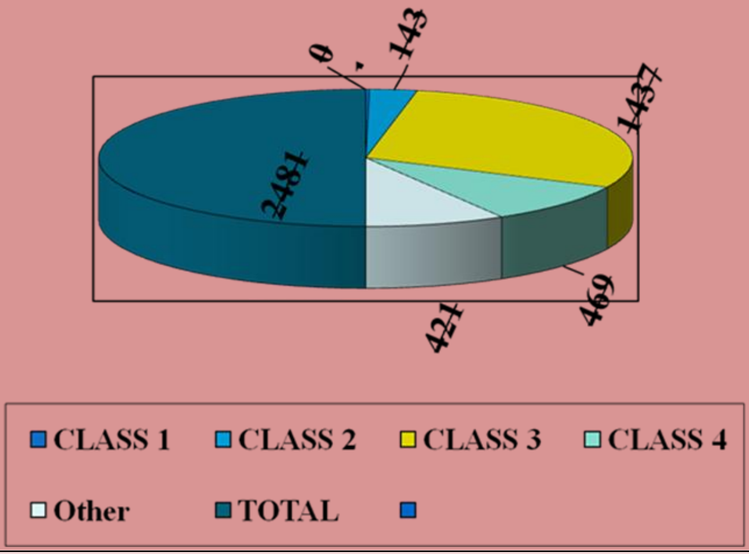

8. वृद्धावस्था एवं अन्य पैंशन

वर्ष 2013–2014 जिला में वृद्धावस्था पैंशन के अर्न्तगत 81712 वृद्वों के 1000 रूपये प्रति मास की दर कुल 6335.00 लाख रूपये तथा 7390 विकलांग व्यक्तियों को 504.12 लाख रूपये की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई। तथा 35456 विद्यवाओं को 3191.04 लाख रूपये की राशि पेंशन के रूप में वितरित की।

9. रजिस्ट्रीकरण

वर्ष 2011–2012(अ) जिला जींद में रजिस्ट्री कार्योलयों की संख्या 7 थी जिनमें 33442 अनिवार्य अचल सम्पतियों की रजिस्ट्री हुई। इन अन्तरित सम्पतियों का मूल्य 13591575 हजार रूपये था। इन से सरकार को 58549 हजार रूपयें की आय हुई। जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में रजिस्ट्री का कार्य कम्पयूटराईज है ।

10. धार्मिक तीर्थ स्थल

जिला जींद में अनेक धार्मिक तीर्थ स्थल है।

जयंती मंदिर

जयंती पुरी का उल्लेख महाकाव्य महाभारत में भी मिलता है। पांडवो ने जयंती को अपनी जीत और सफलता की देवी के रुप में माना था तथा यहां कौरवों के विरूद लडाई में जीत हेतू पूजा की थी और उनके सम्मान में जयंती मंदिर का निर्माण करवाया गया। ऐसी मान्यता है कि जयंती देवी के नाम पर ही इस जिले का नाम जींद पडा।

जयन्ती देवी मंदिर

पिण्डारा तीर्थः–

एक पौराणिक कथा के अनुसार पाण्डवों ने अपने पूर्वज पांडू का पिण्ड दान इस इस स्थान पर किया था। इसलिए इस स्थान का नाम गॉव पांडू पिण्डारा कहा गया। गॉव में प्रत्येक सोमावती (सोमारी) अमावस्या के अवसर पर मेला लगाया जाता है। जिसमें दूर–दूर गांवो से लोग स्नान करने के लिए पहुंचते है। इस अवसर पर लोग अपने पूर्वजों का पिण्ड दान करते है।

पिडांरा तीर्थ स्थल

बराह तीर्थः–

बराह तीर्थ प्रसिद्व तीर्थो में से एक तीर्थ है। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने जब सुअर के रूप में अवतार लिया था वे उस समय यहां रूके थे। इसलिए इस तीर्थ को परम सूख प्राप्त करने के लिए एक साधन के रूप में माना जाता है।

बराह तीर्थ स्थल

<u>परशुराम मंदिर रामराय :—</u>

रामराय परशुराम मंदिर का पौराणिक सम्बन्ध श्री परशुराम जी से है। इस स्थान पर श्री परशुराम जी ने तपस्या की थी। लोगों की मान्यता के अनुसार इस तीर्थ की खुदाई राम, लक्ष्मण और सीता ने बनवास के समय की थी। यहां पर सूर्यकुडं होने के कारण सूर्यग्रहण व चंद्रग्रहण के दिन श्रदालु तीर्थ स्नान कर दान देते हैं। यह मान्यता भी है कि इस तीर्थ में जो व्यक्ति 12 पूर्णिमा स्नान करता है उसकी सभी मन्नतें पुरी हो जाती है।

परशुराम मंदिर रामराय

<u>श्री धमतान साहिब गुरूद्वारा</u> :–

यह माना जाता है कि यहां भगवान राम के अश्वमेघ यज्ञ का स्थान तथा महर्षि बाल्मीकि का आश्रम था। 9वें सिख गुरू श्री गुरूतेगबहादूर दिल्ली जाते समय यहां पर रूके थे। उनकी स्मृति में ही किले के समान गुरूद्वारा बनाया गया था।

गुरूद्वारा श्री धमतान साहिब